* बैबकॉक विलकॉक बॉयलर (Babcock and Wilcock Boiler) :- बैबकॉक विलकॉक बॉयलर एक जल नली बॉयलर है, जिसमे जल नली की स्थिति या तो तिरछी होती है, या तो अनुदैर्ध्य होती है, इस बॉयलर मे ईंधन के रूप मे कोयला इस्तेमाल किया जाता है। फायर डोर के रास्ते कोयले को दहन भट्टी की नलिका मे प्रवेश कराते है। दहन के पश्चात उत्पन्न ऊष्मा जल नलियो के ऊपर से प्रवाहित कराते है। जिससे नलियो का जल वाष्प मे परिवर्तित हो जाता है। यह शुष्क वाष्प अतितापक से गुजरते हुए प्राथमिक चालक को भेज दिया जाता है। दहन भट्टी से उत्पन्न गर्म गैसो का जल नलियो के ऊपर से अतितापक से मितोपयोजक से वायु पूर्व तापक से गुजारते हुए चिमनी के माध्यम से वायुमण्डल मे छोड दिया जाता है।

इस बॉयलर मे दो निरीक्षण डोर लगे होते है। जिससे बॉयलर का समय-समय पर रख रखाव किया जा सके।